# हिंदी
# लोकभारती

BASED ON NEW PAPER PATTERN OF MAHARASHTRA STATE BOARD

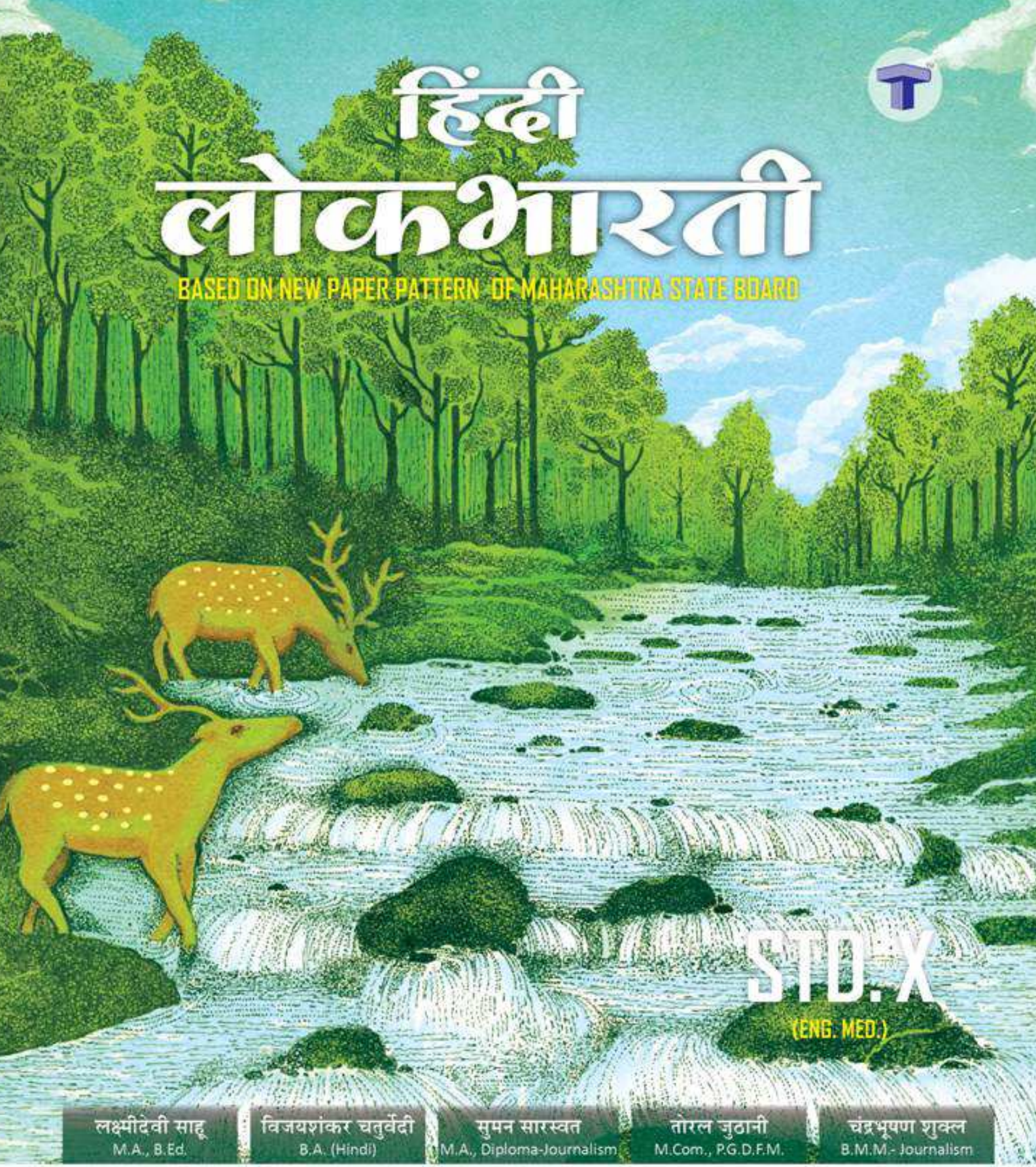

STD. X

(ENG. MED.)


लक्ष्मीदेवी साहू
M.A., B.Ed.

विजयशंकर चतुर्वेदी
B.A. (Hindi)

सुमन सारस्वत
M.A., Diploma-Journalism

तोरल जुठानी
M.Com., P.G.D.F.M.

चंद्रभूषण शुक्ल
B.M.M.- Journalism



Target Publications Pvt. Ltd.

महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ, पुणे
द्‌वारा संशोधित परीक्षा पद्‌धति पर आधारित

# दसवीं कक्षा

# हिंदी

# लोकभारती

## (द्‌वितीय भाषा)

**First Edition: March 2016**

**विशेषताएँ:**

- नवीन परीक्षा पद्‌धति पर आधारित
- विविध आकलन एवं व्याकरण कृतियों का समावेश
- विद्‌यार्थियों के लिए स्वाध्याय की प्रेरणा
- साहित्य, भाषा, व्याकरण तथा प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध पहलुओं का परिचय
- विद्‌यार्थियों की कल्पना व सृजनात्मक शक्ति का विकास
- विद्‌यार्थियों के मूल्यांकन हेतु उपयुक्त
- अभ्यास हेतु दो आदर्श कृतिपत्रिकाओं का समावेश

Printed at: **Repro India Ltd.,** Mumbai

*No part of this book may be reproduced or transmitted in any form or by any means, C.D. ROM/Audio Video Cassettes or electronic, mechanical including photocopying; recording or by any information storage and retrieval system without permission in writing from the Publisher.*

P.O. No. 12325

**10200_10407_JUP**

# प्रस्तावना

**प्यारे विद्यार्थियो,**

दसवीं कक्षा में आपका स्वागत करते हुए हमें अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है। हमें इस बात का पूरा अहसास है कि आपके ज्ञान और कौशल का मूल्यांकन अब परंपरागत ढंग से न होकर कृतिपत्रिका के आधार पर किया जानेवाला है। इसको लेकर आपके मन में आशंकाओं का दौर भी चल रहा होगा। लेकिन आपकी तमाम आशंकाओं को निर्मूल करने के लिए टारगेट पब्लिकेशंस लेकर आया है हिंदी 'लोकभारती', जो नई परीक्षा पद्धति पर आधारित है। संतोष इस बात का है कि इस पुस्तक के माध्यम से हमने पूरा प्रयत्न किया है कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो। यह पुस्तक दसवीं की माध्यमिक शालांत परीक्षा हेतु द्वितीय भाषा हिंदी के पाठ्यक्रमानुसार नवीन दृष्टिकोण के साथ तैयार की गई है।

इस पुस्तक की सहायता से विद्यार्थी न सिर्फ ज्ञान प्राप्त करेंगे बल्कि विविध कृतियों का अध्ययन करते हुए अपने भाषाई कौशल एवं शब्द-संपदा में भी वृद्धि कर सकेंगे। इन कृतियों में एक ओर जहाँ व्यावहारिकता है, वहीं दूसरी ओर सूक्ष्मता भी है। आपको इस पुस्तक में पारंपरिक स्वाध्याय पद्धति का बदला हुआ स्वरूप मिलेगा। दरअसल पूरी पुस्तक ही एक कृतिपत्रिका है। यह विद्यार्थियों की सृजनशक्ति का विकास करेगी और वैविध्यपूर्ण कृतियों के माध्यम से उन्हें आकलन एवं मूल्यांकन का अवसर देगी।

हमने हर पाठ को कई परिच्छेदों में विभाजित किया है और कृतियों के निर्माण के लिए महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ, पुणे की कृतिपुस्तिका को आधार बनाया है। विद्यार्थियों को सहज एवं प्रयोजनमूलक लेखन में प्रवीण बनाने के उद्देश्य से हमने व्याकरण तथा लेखन विभाग को सोदाहरण समझाया है। विद्यार्थियों के मार्गदर्शन हेतु हमने 2 आदर्श कृतिपत्रिकाएँ एवं अंक विभाजन के साथ कृतिपत्रिका का प्रारूप भी प्रस्तुत किया है। पुस्तक में दी गई कृतियों का स्वरूप इस प्रकार का है कि इनका अभ्यास करने के बाद आपकी सृजनशक्ति को बढ़ावा मिलेगा, आत्मविश्वास बढ़ेगा, भाषा के विविध पहलुओं से परिचय होगा, अभिव्यक्ति का विकास होगा और विषय को लेकर मन से भय दूर होगा। इन गुणों से संपन्न होकर आप भविष्य में किसी भी स्पर्धात्मक परीक्षा का सामना करने में सक्षम होंगे।

हमें आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि यह पुस्तक विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रवृत्ति का विकास करने तथा उन्हें परीक्षा में पूर्ण सफलता दिलाने में बेहद उपयोगी सिद्ध होगी। पुस्तक की उत्कृष्टता बढ़ाने के लिए आपके सुझावों का सदैव स्वागत रहेगा। हमारा ईमेल है:mail@targetpublications.org

**शुभकामनाओं सहित धन्यवाद !**

**प्रकाशक**

## कृतिपत्रिका प्रारूप (अंक विभाजन के साथ)

**समय: तीन घंटे** **पूर्णांक : 80**

**विभाग 1 : गद्य** **25 अंक**

| | | | |
|---|---|---|---|
| **कृ.1. (क)** | **पठित गद्य परिच्छेद** | | |
| | (1) | आकलन कृति | **2** |
| | (2) | आकलन कृति | **2** |
| | (3) | व्याकरण कृति | **2** |
| | (4) | व्याकरण कृति | **2** |
| | (5) | स्वमत अभिव्यक्ति | **2** |
| **कृ.1. (ख)** | **पठित गद्य परिच्छेद** | | |
| | (1) | आकलन कृति | **2** |
| | (2) | आकलन कृति | **2** |
| | (3) | व्याकरण कृति | **2** |
| | (4) | व्याकरण कृति | **2** |
| | (5) | स्वमत अभिव्यक्ति | **2** |
| **कृ.1 (ग)** | **अपठित गद्य परिच्छेद** | | |
| | (1) | आकलन कृति | **1** |
| | (2) | आकलन कृति | **2** |
| | (3) | व्याकरण कृति | **1** |
| | (4) | स्वमत अभिव्यक्ति | **1** |

**विभाग 2 : पद्य** **20 अंक**

**कृ.2. (च) पठित पद्यांश**

(1) आकलन कृति **2**

(2) आकलन कृति **2**

(3) व्याकरण कृति **2**

(4) स्वमत अभिव्यक्ति **2**

**कृ.2. (छ) पठित पद्यांश**

(1) आकलन कृति **2**

(2) आकलन कृति **2**

(3) व्याकरण कृति **2**

(4) भावार्थ **2**

**कृ.2. (ज) अपठित पद्यांश**

(1) आकलन कृति **1**

(2) आकलन कृति **1**

(3) व्याकरण कृति **1**

(4) स्वमत अभिव्यक्ति **1**

**विभाग 3 : पूरक पठन** **5 अंक**

**कृ.3.** (1) आकलन कृति **1**

(2) आकलन कृति **1**

(3) आकलन कृति **1**

(4) विचार कौशल **2**

**विभाग 4 : लेखन** **30 अंक**

**कृ.4.** (1) पत्र-लेखन - कार्यालयीन तथा व्यावसायिक (दो में से एक लिखना) **5**

(2) कहानी लेखन **5**

(3) गद्य आकलन (प्रश्न तैयार करना) **5**

(4) स्वमत अभिव्यक्ति **5**

**कृ.5. (4 में से 2 लिखना – प्रत्येक 5 अंक)** **10**

(1) वृत्तांत लेखन

(2) विज्ञापन

(3) निमंत्रण पत्रिका

(4) संवाद लेखन

(5) फलक सूचना (बोर्ड पर नोटिस)

(6) सार लेखन

| अंक विभाजन | | | |
|---|---|---|---|
| **विभाग** | **विधा** | **अंक** | **व्याकरण** |
| **1** | **गद्य** | **25 में से** | **09** |
| **2** | **पद्य** | **20 में से** | **05** |
| **3** | **पूरक पठन** | **05** | |
| **4** | **लेखन** | **30** | |
| | | **80** | **14** |

**विशेष सूचना** – * गद्य विभाग में 09 अंकों का व्याकरण
* पद्य विभाग में 05 अंकों का व्याकरण
* कुल व्याकरण 14 अंकों का

**यह कृतिपत्रिका प्रारूप कक्षा नौवीं के नए कृतिपत्रिका प्रारूप पर आधारित है।**

# विषय - सूची


| क्र. | शीर्षक | रचनाकार | पृष्ठांक |
|---|---|---|---|
| | **विभाग 1 - गद्य** | | |
| 1 | प्रायश्चित | भगवतीचरण वर्मा | 1 |
| 2 | शिकारी राजकुमार | प्रेमचंद | 16 |
| 3 | आनंद का क्षण | कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' | 35 |
| 4 | वाणी का सदुपयोग | विनोबा भावे | 48 |
| 5 | वक्त के साथ दगाबाजी | हरिवंशराय 'बच्चन' | 54 |
| 6 | पलाश | डॉ. परशुराम शुक्ल | 60 |
| 7 | कूर्मांचल में कुछ दिन | धर्मवीर भारती | 73 |
| 8 | राजा हरिश्चंद्र के आँसू | अजातशत्रु | 99 |
| 9 | अंधेर नगरी | भारतेंदु हरिश्चंद्र | 118 |
| 10 | साहब फिर कब आएँगे माँ? | दामोदर खड़से | 135 |
| 11 | संपन्नता | राजेंद्र श्रीवास्तव | 157 |
| 12 | सफलता की चुनौतियाँ | प्रीति मोंगा | 174 |
| 13 | अपठित गद्यांश | | 186 |
| | **विभाग 2 - पद्य** | | |
| 1 | कबीर के दोहे | कबीर | 200 |
| 2 | सूरदास के पद | सूरदास | 204 |
| 3 | रहीम के दोहे | रहीम | 212 |
| 4 | खग, उड़ते रहना | गोपालदास सक्सेना 'नीरज' | 216 |
| 5 | जीवन का झरना | आरसीप्रसाद सिंह | 221 |
| 6 | जनगीत | सुमित्रानंदन पंत | 226 |
| 7 | थाम लो सँभालकर | रामावतार त्यागी | 231 |
| 8 | मत कहो, आकाश में कुहरा घना है | दुष्यंत कुमार | 236 |
| 9 | मेघ आए | सर्वेश्वरदयाल सक्सेना | 240 |
| 10 | अपठित पद्यांश | | 244 |

| क्र. | शीर्षक | रचनाकार | पृष्ठांक |
|---|---|---|---|
| | **विभाग 3 - पूरक पठन** | | |
| 1 | अपनी – अपनी बीमारी | हरिशंकर परसाई | 254 |
| 2 | गंगा बाबू हैं कौन? | गौरा पंत 'शिवानी' | 261 |
| 3 | तुलसी का बिरवा | प्रेमानंद चंदोला | 270 |
| 4 | 'थिंफू : भूटान की वर्तमान राजधानी' | प्रवीण कारखानीस | 278 |
| 5 | 1. साहसी बालक<br>2. प्रेरणादायी प्रसंग | संकलित | 284 |
| 6 | टेसी थॉमस | 'सी. एस. आर.' के सौजन्य से | 297 |
| | **विभाग 4 - लेखन** | | |
| 1 | पत्र-लेखन | | 303 |
| 2 | कहानी लेखन | | 313 |
| 3 | गद्य आकलन (प्रश्न तैयार करना) | | 318 |
| 4 | स्वमत अभिव्यक्ति | | 320 |
| 5 | वृत्तांत लेखन | | 323 |
| 6 | विज्ञापन | | 326 |
| 7 | निमंत्रण पत्रिका | | 328 |
| 8 | संवाद लेखन | | 332 |
| 9 | फलक सूचना (बोर्ड पर नोटिस) | | 335 |
| 10 | सार लेखन | | 336 |
| | **व्याकरण** | | |
| 1 | मानक वर्तनी | | 338 |
| 2 | विरामचिह्न | | 340 |
| 3 | शब्दभेद | | 341 |
| 4 | काल | | 344 |
| 5 | सहायक क्रिया | | 345 |
| 6 | प्रेरणार्थक क्रिया | | 347 |
| 7 | वाक्य भेद | | 350 |
| | **विशेष अध्ययन** | | 352 |
| | **कृतिपत्रिका** | | |
| | आदर्श कृतिपत्रिका - 1 | | 355 |
| | आदर्श कृतिपत्रिका - 2 | | 364 |

## विभाग 1 - गद्य

# 01 प्रायश्चित

**-- भगवतीचरण वर्मा (सन 1903 – 1981 ई.)**

### लेखक परिचय

हिंदी उपन्यास एवं काव्यविधा के सिद्धहस्त साहित्यकार भगवतीचरण वर्मा जी प्रयाग विश्वविद्यालय से उच्च विद्याविभूषित होकर लेखन तथा पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रमुख रूप से कार्यरत रहे। उन्होंने सजगता एवं मानवता के प्रति आस्थावादी रचनाओं का सृजन किया। आधुनिक हिंदी कविता के इतिहास में अपना विशिष्ट महत्त्व रखने वाली 'भैंसागाड़ी' उनकी प्रसिद्ध कविता है।

### प्रमुख रचनाएँ

**पद्य** – 'मधुकरण', 'प्रेमसंगीत', 'मानव', 'त्रिपथगा'।
**गद्य** – 'भूले बिसरे चित्र', 'इन्सटालमेंट', 'दो बाँके', 'राख और चिनगारी' (कहानी संग्रह); 'रुपया तुम्हें खा गया' (नाटक); 'वासवदत्ता', 'सबहिं नचावत राम गुसाई', 'चित्रलेखा' (उपन्यास) आदि।

### विषय-प्रवेश

प्रस्तुत कहानी द्वारा लेखक ने बड़े ही रोचक ढंग से लोगों पर अंधविश्वास का कितना गहरा असर होता है, यह प्रस्तुत किया है। लेखक ने धर्म के नाम पर श्रद्धा और विश्वास के साथ खिलवाड़ करने वाले लोगों पर व्यंग्य करते हुए यह समझाया है कि अंधविश्वास की जंजीरों को तोड़ दिया जाए ।

### उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य अंधश्रद्धा निर्मूलन, स्वार्थ लोलुपता की पहचान, मूर्खता से बचाव एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण प्रस्थापित करना है।

### सारांश

इस कहानी में लेखक ने रामू की बहू से बिल्ली की हत्या होने की बात को लेकर जो बतंगड़ होता है, उसे बड़ी सरलता से प्रस्तुत किया है।

रामू की बहू से बिल्ली की हत्या होने की बात को लेकर सभी घरवाले परेशान हो जाते हैं। बिल्ली की हत्या की बात को बहुत अशुभ मानकर सभी घरवाले उसका हल ढूँढ़ते हैं और पंडित जी की सलाह लेते हैं। पंडित परमसुख मौके का फायदा उठाकर, जितना हो सके उतना रामू के परिवार को लूटना चाहते हैं। रामू का परिवार मजबूरी में पंडित परमसुख की माँगों को पूरा करने के लिए तैयार हो जाता है। मोल-तोल चल ही रहा था, इतने में सौभाग्य से बिल्ली उठकर भाग जाती है और बिल्ली की हत्या के पाप और प्रायश्चित की लूट से परिवार बच जाता है।

लेखक ने इस कहानी के माध्यम से यह समझाया है कि समाज में अनेक अंधविश्वास प्रचलित हैं। आज के आधुनिक युग में भी कई लोग अंधविश्वास का शिकार हो जाते हैं। लेखक इसी अंधविश्वास से लोगों को बचाना चाहते हैं।

### शब्दार्थ

| | |
|---|---|
| अखरना | चुभना, कष्टदायक (to be displeasing) |
| ऊँघ जाना | नींद में झूमना (to doze off) |
| कठघरा | लकड़ी का बड़ा पिंजड़ा (railing) |
| करधनी | कमरबन्द (girdle, waist band) |
| किफायत | मितव्यय, कम खर्च के बाबत (saving) |
| कुंभीपाक | नरक का एक प्रकार (hell) |
| घृणा | द्वेष, नफरत (hatred) |
| जिन्स | सामग्री, अन्न, दाल, चावल, आटा |
| झिड़कियाँ | डाट-फटकार (scolding) |
| दुलारी | प्यारी, लाड़ली (darling, beloved) |
| दुश्वार | कठिन, मुश्किल (difficult) |
| देहरी | दहलीज, दरवाजे में चौखट के नीचे की लकड़ी या पत्थर (door frame) |
| नदारद | गायब (missing, disappear) |
| पतोहू | बेटे की पत्नी, बहू (daughter-in-law) |
| परचना | (किसी के पास रहकर) धीरे-धीरे उससे हिल-मिल जाना (to be acquainted) |
| पसेरी | पाँच किलो के बराबर (Approximately weight of five kilogram) |
| पाटा | पीढ़ा (लकड़ी का बना हुआ) (a wooden board) |
| बालाई | मलाई (cream) |
| मखाना | एक प्रकार का सूखा मेवा (a type of dry fruit) |
| मन | 40 सेर का पुराना मान (Approximately weight of forty kilogram) |
| महूरत | मुहूर्त, शुभकाल (auspicious time) |
| मिसरानी | खाना बनानेवाली ब्राह्मण स्त्री (cooking maid) |
| रबड़ी | दूध को गाढ़ा करके बनाई गई मिठाई (a sweet prepared by thickening of milk) |

| | |
|---|---|
| रुआँसी | रोने को होना (about to cry) |
| व्यंजन | पकवान (a delicacy) |
| व्यंग्य | मजाक, किसी की हँसी उड़ाना (sarcasm) |
| सरगर्मी | उमंग, उत्साह, आवेश (impulse) |

## मुहावरों के अर्थ

1. **जान आफत में आना** – मुश्किल में पड़ना।
2. **मन लगाना** – कोई काम लगन से करना, रुचि पैदा होना।
3. **ऊँघ जाना** – नींद में झूमना।
4. **परच जाना** – हिल-मिल जाना।
5. **कान में पहुँचना** – मालूम हो जाना।
6. **खिसक जाना** – दूर हो जाना।
7. **बिजली की तरह फैलना** – तेजी से फैलना।
8. **सिर झुकाए बैठना** – लज्जित होना।
9. **माथे पर बल पड़ना** – (चेहरे पर) क्रोध दिखना।
10. **आँखें फाड़कर देखना** – आश्चर्य से देखना।
11. **हाथ का मैल होना** – मामूली होना।
12. **पैर पकड़ना** – क्षमायाचना करना।
13. **खून सवार हो जाना** – बहुत गुस्सा आना।
14. **कमर कस लेना** – तैयार हो जाना, बात को ठान लेना।
15. **ताँता बँध जाना** – भीड़ जमा होना, कतार लग जाना।
16. **पाप कटना** – पाप दूर होना।
17. **निगाह तक न डालना** – बिल्कुल ध्यान न देना।
18. **चंपत होना** – गायब हो जाना।
19. **जान में जान आना** – निश्चिंत होना, छुटकारा पाना।
20. **चेहरे पर धुँधलापन आना** – उदासी या सूखापन महसूस करना।
21. **नाक सिकुड़ना** – अरुचि या अप्रसन्नता प्रकट करना।
22. **काम चल जाना** – जैसे-तैसे काम निकालना।
23. **मुँह मोड़ना** – उपेक्षा करना।
24. **चौंक पड़ना** – आश्चर्यचकित होना।
25. **हाथ में आना** – काबू या कब्जे में आना।

## कहावत

1. **न रहे बाँस न बजे बाँसुरी** – झगड़े की जड़ को नष्ट कर देने पर ही झगड़ा खत्म हो सकता है।

## स्वाध्याय

### परिच्छेद 1

**अपनी पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ क्रमांक 1, 2 पर दी गई पंक्तियाँ (1 से 25 तक) पढ़कर निम्नलिखित कृतियाँ कीजिए।**

**[अगर कबरी बिल्ली .....**

**..... आवाज के साथ फर्श पर! ]**

**आकलन कृतियाँ**

**कृ.1. आकृति पूर्ण कीजिए।**

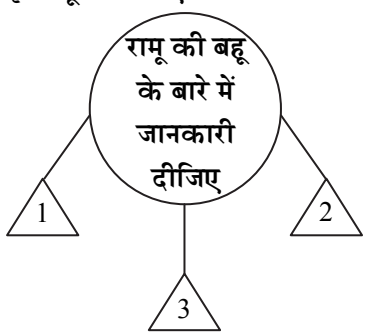


**उत्तर:** 1. दो महीने हुए मायके से पहली बार ससुराल आई थी।
2. पति की प्यारी थी।
3. सास की दुलारी थी।

**कृ.2. आकृति पूर्ण कीजिए।**

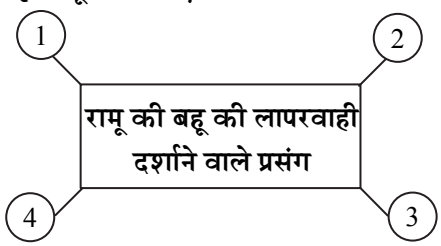


**उत्तर:** 1. भंडारघर खुला रखना और वहीं कभी बैठे-बैठे सो जाना।
2. हाँड़ी में घी रखते-रखते ऊँघना और घी कबरी के पेट में जाना।
3. रबड़ी से भरी कटोरी पति के कमरे में रखकर जाना और रबड़ी गायब।
4. बाजार से लाई हुई बालाई लाकर पान लगाने जाना और बालाई गायब।

**कृ.3. निम्नलिखित वाक्यों के एक से दो शब्दों में उत्तर लिखिए:**

1. कबरी बिल्ली घर-भर में इस से प्रेम करती थी। ☐
2. रामू की बहू घर-भर में इस से घृणा करती थी। ☐

**उत्तर:** 1. रामू की बहू 2. कबरी बिल्ली

**कृ.4. सही विकल्प चुनकर रिक्त-स्थानों की पूर्ति कीजिए।**

1. भंडारघर की चाबी उसकी _____ में लटकने लगी।

(कमर, बाँह, करधनी)

2. रामू की बहू दूध ढँककर _____ को जिन्स देने गई और दूध नदारद।

(मिसरानी, नौकरानी, सास)

**उत्तर:** 1. करधनी 2. मिसरानी

**कृ.5. निम्नलिखित विधानों को परिच्छेद में आए उनके क्रमानुसार लिखिए:**

1. रामू की बहू को सास की मीठी झिड़कियाँ मिलना।
2. रामू की बहू का घर में रहना मुश्किल होना।
3. रामू की बहू का प्रथम बार ससुराल आना।
4. रामू की बहू को भंडारघर की चाबी मिलना।

**उत्तर:** 1. रामू की बहू का प्रथम बार ससुराल आना।
2. रामू की बहू को भंडारघर की चाबी मिलना।
3. रामू की बहू का घर में रहना मुश्किल होना।
4. रामू की बहू को सास की मीठी झिड़कियाँ मिलना।

**कृ.6. निम्नलिखित विधान सत्य हैं या असत्य, लिखिए:**

1. रामू की बहू का पति पर हुक्म चलने लगा। ☐
2. कटोरा झनझनाहट की आवाज के साथ फर्श पर गिरा। ☐

**उत्तर:** 1. असत्य 2. सत्य

**कृ.7. सही विकल्प चुनकर वाक्य पूर्ण कीजिए।**

1. सास जी ने माला ली और _____ ।

अ. पूजापाठ में मन लगाया

ब. धर्म-कर्म में मन लगाया

क. दान-पुण्य शुरू किया

2. रामू की बहू ने तय कर लिया कि या तो वही घर में रहेगी या फिर _____ ।

अ. उसकी सास ही

ब. कबरी बिल्ली ही

क. उसकी ननद ही

**उत्तर:** 1. सास जी ने माला ली और **पूजापाठ में मन लगाया**।
2. रामू की बहू ने तय कर लिया कि या तो वही घर में रहेगी या फिर **कबरी बिल्ली ही**।

## व्याकरण कृतियाँ

**कृ.1. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द परिच्छेद में खोजकर लिखिए:**

1. नफ़रत – ☐ 2. आदेश – ☐
3. गायब – ☐ 4. मलाई – ☐

**उत्तर:** 1. घृणा 2. हुक्म
3. नदारद 4. बालाई

**कृ.2. निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द परिच्छेद में खोजकर लिखिए:**

1. मायका × ☐
2. लापरवाह × ☐
3. नजदीक × ☐
4. आसान × ☐

**उत्तर:** 1. ससुराल 2. सतर्क
3. फासला 4. मुश्किल

**कृ.3. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए:**

1. बिल्ली 2. महीना

**उत्तर:** 1. बिल्लियाँ 2. महीने

**कृ.4. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए:**

1. बालिका 2. कटोरा

**उत्तर:** 1. बालक 2. कटोरी

**कृ.5. सार्थक शब्द बनाइए।**

1. | ल | भं | र | डा | घ | च | र |
2. | क | खा | र | प | नी | ल | ध |

**उत्तर:** 1. भंडारघर 2. करधनी

**कृ.6. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ बताकर उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए:**

1. मन लगाना
2. जान आफत में आना
3. ऊँघ जाना
4. परच जाना
5. निगाह तक न डालना
6. हाथ में आना

**उत्तर:** 1. **मन लगाना** – कोई काम लगन से करना।
**वाक्य:** पढ़ाई पूरी होने के बाद विजय ने नौकरी में **मन लगाया**।

2. **जान आफत में आना** – संकट से गुजरना।

**वाक्य:**बुरी संगत के कारण श्याम की **जान आफत में आ गई थी**।

3. **ऊँघ जाना** – नींद में घूमना।

**वाक्य:**रात भर घर की सफाई करने के बाद सीता सुबह **ऊँघ रही थी**।

4. **परच जाना** – हिल-मिल जाना।

**वाक्य:**रोज-रोज साथ खेलते-खेलते वह छोटी बच्ची हमसे **परच गई थी**।

5. **निगाह तक न डालना** – बिल्कुल ध्यान न देना।

**वाक्य:**राधा ने श्याम को मनाने के लिए बहुत प्रयत्न किया, लेकिन श्याम ने उस पर **निगाह तक नहीं डाली**।

6. **हाथ में आना** – काबू में आना।

**वाक्य:**रामू का बेलगाम घोड़ा श्याम के हाथ में ही नहीं आ रहा था।

**कृ.7. निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके लिखिए:**

1. भंडारघर का चाबी उसकी करधनी में लटकने लगा।
2. बिल्ली फँसाने की कठघरा आई।

**उत्तर:** 1. भंडारघर **की** चाबी उसकी करधनी में लटकने **लगी**।

2. बिल्ली फँसाने **का** कठघरा **आया**।

**कृ.8. उचित विरामचिह्नों का प्रयोग करके निम्नलिखित वाक्य पुन: लिखिए:**

1. कबरी बिल्ली को मौका मिला घी दूध पर अब वह जुट गई
2. मोरचाबंदी हो गई और दोनों सतर्क

**उत्तर:** 1. कबरी बिल्ली को मौका मिला, घी-दूध पर अब वह जुट गई।

2. मोरचाबंदी हो गई और दोनों सतर्क !

**कृ.9. निम्नलिखित शब्द में प्रत्यय जोड़कर शब्द बनाइए:**

सतर्क

**उत्तर:** सतर्क + ता = सतर्कता

**कृ.10.निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित अव्यय शब्दों के भेद पहचानकर लिखिए:**

1. रामू की बहू <u>के लिए</u> खाना-पीना दुश्वार।
2. रामू की बहू इसके <u>बाद</u> पान लगाने में लग गई।

**उत्तर:** 1. के लिए – संबंधसूचक अव्यय

2. बाद – संबंधसूचक अव्यय

**कृ.11.निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के भेद पहचानकर लिखिए:**

1. अभी तक तो वह <u>रामू</u> की बहू से <u>डरती</u> थी।
2. <u>उसे</u> मिलती थीं सास की <u>मीठी</u> झिड़कियाँ।

**उत्तर:** 1. रामू – संज्ञा, डरती – क्रिया

2. उसे – सर्वनाम, मीठी – विशेषण

**कृ.12.निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त काल के उपभेद पहचानकर लिखिए:**

1. रामू की बहू पान लगा रही है।
2. उधर बिल्ली कमरे में आई।

**उत्तर:** 1. अपूर्ण वर्तमानकाल 2. सामान्य भूतकाल

**कृ.13.निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त सहायक क्रिया को पहचानकर लिखिए:**

1. नौकरों पर उसका हुक्म चलने लगा।
2. अब वह साथ लग गई लेकिन इतने फासले पर कि रामू की बहू उस पर हाथ न लगा सकी।

**उत्तर:** 1. लगा – लगना 2. सकी – सकना

**कृ.14.निम्नलिखित क्रिया के प्रथम तथा द्‌वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए:**

1. चलना 2. सोना

**उत्तर:**

| | मूल क्रिया | प्रथम प्रेरणार्थक रूप | द्‌वितीय प्रेरणार्थक रूप |
|---|---|---|---|
| 1. | चलना | चलाना | चलवाना |
| 2. | सोना | सुलाना | सुलवाना |

**कृ.15.निम्नलिखित वाक्यों का वाक्य-भेद पहचानकर लिखिए:**

1. सास जी ने माला ली और पूजापाठ में मन लगाया।
2. एक दिन रामू की बहू ने रामू के लिए खीर बनाई।

**उत्तर:** 1. संयुक्त वाक्य 2. सरल वाक्य

**पाठ पर आधारित प्रश्नोत्तरी**

**कृ.1. परिच्छेद के आधार पर रामू की बहू (पत्नी) का चरित्र-चित्रण कीजिए।**

**उत्तर:** रामू की बहू दो महीने पहले मायके से पहली बार ससुराल आई थी। वह अपने पति की प्यारी और सास की दुलारी थी। उसके आते ही उसे भंडारघर की चाबी मिल गई और पूरे घर का शासन भी। घर का शासन तो मिल गया परंतु रामू की बहू बालिका जैसी थी। उसमें अनुभव की कमी थी। वह कभी भंडारघर खुला छोड़ देती तो कभी वह वहीं सो जाती। उसकी इस लापरवाहियों के कारण कबरी बिल्ली ने उसकी नाक में दम कर रखा था।

**कृ.2. कबरी बिल्ली ने रामू की बहू को किस प्रकार तंग कर रखा था?**

**उत्तर:** कबरी बिल्ली पूरे घर में सबसे अधिक स्नेह रामू की बहू से करती थी। इस स्नेह का मुख्य कारण था रामू की बहू का लापरवाही भरा स्वभाव। वो कभी भंडारघर खुला छोड़ देती या उसमें बैठे-बैठे सो जाती। इसका फायदा उठाकर कबरी सारा दूध पी जाती। जब भी रामू की बहू कुछ खाने की चीज बनाती, कबरी उसे चट कर देती। कबरी बिल्ली की हरकतों के कारण रामू की बहू को सास की मीठी झिड़कियाँ मिलती और पति को रूखा-सूखा भोजन। इस प्रकार कबरी बिल्ली ने अपनी हरकतों से रामू की बहू को तंग कर रखा था।

## स्वमत अभिव्यक्ति

**कृ.1. अपने पालतू पशु की जानकारी दीजिए।**

**उत्तर:** मुझे बचपन से ही पशु-पक्षी बहुत प्रिय रहे हैं। पशु-पक्षियों के प्रति मेरा लगाव मेरे दादा जी के कारण है। गाँव में मैंने अपने घर पर एक बिल्ली पाली है। जिसका नाम है – मनी। वो मुझे अपने विद्यालय के पीछे वाले अहाते में मिली थी। उसका रंग सफेद है। वह अभी दो महीने की है। विद्यालय से निकलकर जैसे ही मैं घर पहुँचता हूँ, वह मुझसे आकर लिपट जाती है। मेरा नियम है – रोज आधा घंटा उसके साथ खेलना। अगर मैं किसी दिन बाहर चला जाता हूँ तो वह बहुत उदास हो जाती है। मुझे मनी से बड़ा प्रेम है। वह मेरी सच्ची दोस्त है।

## परिच्छेद 2

**अपनी पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ क्रमांक 2 पर दी गई पंक्तियाँ (26 से 45 तक) पढ़कर निम्नलिखित कृतियाँ कीजिए।**

**[आवाज रामू की बहू .....**

**..... सिर झुकाए बैठी। ]**

## आकलन कृतियाँ

**कृ.1. आकृति पूर्ण कीजिए।**

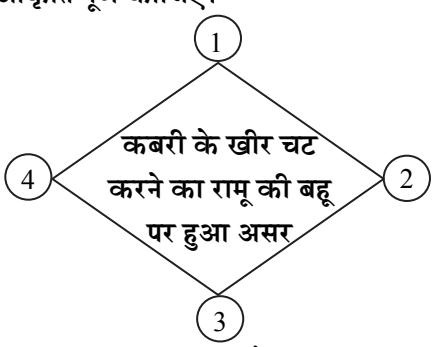


**उत्तर:** 1. सिर पर खून सवार हो गया।
2. कबरी की हत्या पर कमर कस ली।
3. रात भर नींद नहीं आई।
4. पूरी रात कबरी को मारने की योजना बनाती रही।

**कृ.2. आकृति पूर्ण कीजिए।**

**उत्तर:** 1. एक कटोरा दूध दरवाजे की देहरी पर रखना।
2. बिल्ली के दूध पीने का इंतजार करना।
3. पाटा बिल्ली पर पटक देना।

**कृ.3. आकृति पूर्ण कीजिए।**

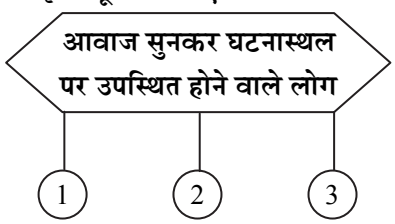


**उत्तर:** 1. नौकरानी 2. मिसरानी
2. सास

**कृ.4. आकृति पूर्ण कीजिए।**

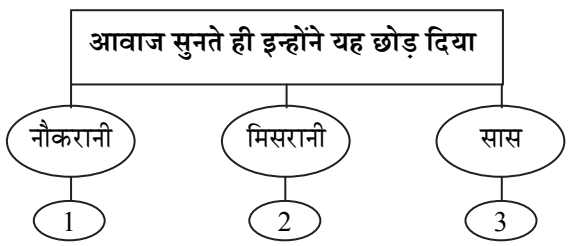


**उत्तर:** 1. झाड़ू 2. रसोई
3. पूजा

**कृ.5. निम्नलिखित वाक्यों के एक से दो शब्दों में उत्तर लिखिए:**

1. रामू की बहू इनके सामने पान फेंककर दौड़ी। ☐
2. रामू की बहू ने बिल्ली पर यह पटक दिया। ☐

**उत्तर:** 1. सास 2. पाटा

**कृ.6. सही विकल्प चुनकर रिक्त-स्थानों की पूर्ति कीजिए।**

1. रामू की बहू को देखते ही _____ चंपत।
(सास, मिसरानी, कबरी)

2. कबरी रामू की बहू के उठते ही _____ गई।
(जाग, खिसक, बैठ)

3. रामू की बहू सिर झुकाए हुए _____ की भाँति बातें सुन रही है।

(अपराधिनी, मासूम, पागलों)

**उत्तर:** 1. कबरी 2. खिसक
3. अपराधिनी

**कृ.7. निम्नलिखित विधान सत्य हैं या असत्य, लिखिए:**

1. कटोरा गिरने की आवाज रामू की बहू के कान में पहुँची। ☐
2. कबरी देहरी पर बैठी बड़े गुस्से से देख रही है। ☐

**उत्तर:** 1. सत्य 2. असत्य

**कृ.8. निम्नलिखित वाक्य किसने किससे कहे:**

1. "अरे राम! बिल्ली तो मर गई, माँ जी।"
☐ ने ☐ से कहा।

2. "माँ जी, बिल्ली की हत्या और आदमी की हत्या बराबर है।"
☐ ने ☐ से कहा।

**उत्तर:** 1. नौकरानी, रामू की माँ
2. मिसरानी, रामू की माँ

**कृ.9. सही विकल्प चुनकर वाक्य पूर्ण कीजिए।**

1. सुबह हुई और वह देखती है कि कबरी देहरी पर बैठी _____।
   अ. बड़े प्रेम से देख रही है
   ब. बड़े क्रोध से देख रही है
   क. बड़े अपनेपन से देख रही है

2. कबरी हिली न डुली, न चीखी न चिल्लाई, _____।
   अ. बस एकदम भाग खड़ी हुई
   ब. बस एकदम चौंक गई
   क. बस एकदम उलट गई

3. बिल्ली की हत्या की खबर बिजली की तरह _____।
   अ. गाँव में फैल गई
   ब. पड़ोस में फैल गई
   क. शहर में फैल गई

**उत्तर:** 1. सुबह हुई और वह देखती है कि कबरी देहरी पर बैठी **बड़े प्रेम से देख रही है**।
2. कबरी हिली न डुली, न चीखी न चिल्लाई, **बस एकदम उलट गई**।
3. बिल्ली की हत्या की खबर बिजली की तरह **पड़ोस में फैल गई**।

## व्याकरण कृतियाँ

**कृ.1. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द परिच्छेद में खोजकर लिखिए:**

1. गायब – ☐ 2. पीढ़ा – ☐

**उत्तर:** 1. चंपत 2. पाटा

**कृ.2. निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द परिच्छेद में खोजकर लिखिए:**

1. मृत × ☐ 2. गायब × ☐

**उत्तर:** 1. जिंदा 2. उपस्थित

**कृ.3. निम्नलिखित शब्दों में से शुद्ध शब्द छाँटकर लिखिए:**

1. घटनास्तल, घटनास्थल, घतनास्थल
2. अपराधिनी, अपराधीनी, अपराधीनि

**उत्तर:** 1. घटनास्थल 2. अपराधिनी

**कृ.4. रेखांकित वाक्यांश के बदले कोष्ठक में दिए सही मुहावरे को चुनकर वाक्य फिर से लिखिए।**
**(ताँता बँध जाना, कान में पहुँचना, खून सवार होना, चंपत होना, कमर कसना, बिजली की तरह फैलना, सिर झुकाए बैठना, जान में जान आना)**

1. बाढ़-पीड़ितों की सहायता करने के लिए सेना के जवान तैयार हो गए।
2. द्रौपदी का भरी सभा में अपमान होता देखकर भीम मार डालने के लिए उद्यत हो गए।
3. अमिताभ बच्चन जी से मिलने के लिए लोगों की भीड़ लग गई।
4. गौतम बुद्ध द्वारा प्रसारित संदेश सबको मालूम हो गया।
5. देखते ही देखते उसकी तरक्की की बात पूरे दफ्तर में सबको पता चल गई।
6. वह अपनी गलती पर शर्मिंदा है।
7. अरुण के आने से पहले मेघा गायब हो गई।
8. घर में बिजली आते ही सब निश्चिंत हो गए।

**उत्तर:** 1. बाढ़-पीड़ितों की सहायता करने के लिए सेना के जवानों ने **कमर कस ली**।
2. द्रौपदी का भरी सभा में अपमान होता देखकर भीम पर **खून सवार हो गया**।
3. अमिताभ बच्चन जी से मिलने के लिए लोगों का **ताँता बँध गया**।
4. गौतम बुद्ध द्वारा प्रसारित संदेश सबके **कान में पहुँच गया**।

5. देखते ही देखते उसकी तरक्की की बात पूरे दफ्तर में **बिजली की तरह फैल गई**।
6. वह अपनी गलती पर **सिर झुकाए बैठा** है।
7. अरुण के आने से पहले मेघा **चंपत हो गई**।
8. घर में बिजली आते ही सब की **जान में जान आई**।

**कृ.5. निम्नलिखित कहावत का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए:**

न रहे बाँस न बजे बाँसुरी

**उत्तर:न रहे बाँस न बजे बाँसुरी** – झगड़े की जड़ को खत्म करना।

**वाक्य** : रामू ने अपने पूर्वजों का विवादास्पद घर बेच दिया, जिसके बाद **न रहा बाँस और न बजी बाँसुरी।**

**कृ.6. निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके लिखिए:**

1. आवज बहू के कान में पहुँचा।
2. मौका हाथ में आ गई।

**उत्तर:** 1. आवाज बहू के कान में **पहुँची**।
2. मौका हाथ में आ **गया**।

**कृ.7. उचित विरामचिह्नों का प्रयोग करके निम्नलिखित वाक्य पुन: लिखिए:**

1. कबरी हिली न डुली न चीखी न चिल्लाई बस एकदम उलट गई
2. अरे हाँ जल्दी से दौड़ के पंडित जी को बुला ला

**उत्तर:** 1. कबरी हिली न डुली, न चीखी न चिल्लाई, बस एकदम उलट गई।
2. "अरे हाँ, जल्दी से दौड़ के पंडित जी को बुला ला।"

**कृ.8. निम्नलिखित शब्दों में प्रत्यय जोड़कर नए शब्दों का निर्माण कीजिए:**

1. दूध 2. पंडित

**उत्तर:** 1. दूध + वाला = दूधवाला 2. पंडित + आइन = पंडिताइन

**कृ.9. निम्नलिखित अव्यय शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए:**

1. भाँति 2. जब-तब
3. अब 4. की तरह

**उत्तर:** 1. चीते की फुरती बिजली की **भाँति** होती है।
2. **जब** तुम घर पहुँचोगे **तब** वह तुमसे मिलेगा।
3. **अब** हममें से कोई घर नहीं जाएगा।
4. शीतल सरोजिनी नायडू **की तरह** बनना चाहती है।

**कृ.10. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के भेद पहचानकर लिखिए:**

1. हाथ में पाटा लेकर वह लौटी।
2. बिल्ली की हत्या की खबर बिजली की तरह पड़ोस में फैल गई।

**उत्तर:** 1. पाटा – संज्ञा, वह – सर्वनाम
2. बिजली – विशेषण, फैल – क्रिया

**कृ.11. कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल-परिवर्तन करके वाक्य पुन: लिखिए।**

1. रामू की बहू सिर झुकाए हुए अपराधिनी की भाँति बातें सुन रही है। (अपूर्ण भूतकाल)
2. पड़ोस की औरतों का रामू के घर में ताँता बँध गया। (पूर्ण वर्तमानकाल)

**उत्तर:** 1. रामू की बहू सिर झुकाए हुए अपराधिनी की भाँति बातें सुन रही थी।
2. पड़ोस की औरतों का रामू के घर में ताँता बँध गया है।

**कृ.12. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए:**

1. वह देखती है कि कबरी देहरी पर बैठी बड़े प्रेम से देख रही है।
2. रामू की बहू सिर झुकाए बैठी थी।

**उत्तर:** 1. रही (रहना) 2. बैठी (बैठना)

**कृ.13. निम्नलिखित क्रियाओं के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए:**

1. सुनना 2. खाना

**उत्तर:**

| | मूल क्रिया | प्रथम प्रेरणार्थक रूप | द्वितीय प्रेरणार्थक रूप |
|---|---|---|---|
| 1. | सुनना | सुनाना | सुनवाना |
| 2. | खाना | खिलाना | खिलवाना |

**कृ.14. निम्नलिखित वाक्यों का वाक्य-भेद पहचानकर लिखिए:**

1. रामू की बहू ने कुछ सोचा, इसके बाद मुस्कुराती हुई उठी।
2. बहू, यह क्या कर डाला!

**उत्तर:** 1. मिश्र वाक्य 2. सरल वाक्य

**पाठ पर आधारित प्रश्नोत्तरी**

**कृ.1. रामू की बहू ने कबरी बिल्ली की हत्या की क्या योजना बनाई।**

**उत्तर:** कबरी बिल्ली ने अपनी हरकतों से रामू की बहू को बहुत तंग कर रखा था। वह जब भी कुछ खाने की चीज बनाती

मौका पाकर कबरी उसे चट कर जाती। जिसके परिणामस्वरूप रामू की बहू का जीना मुश्किल हो गया था। कबरी बिल्ली की बढ़ती हरकतों से तंग आकर रामू की बहू ने उसकी हत्या की योजना बनाई। उसने दरवाजे की देहरी पर एक कटोरा दूध रख दिया और चली गई। वो इंतजार करने लगी कि कबरी आए और दूध पीए। वैसा ही हुआ। कबरी आई और इत्मीनान से दूध पीने लगी। इस मौके का फायदा उठाकर रामू की बहू ने उस पर पाटा दे मारा। इस प्रकार रामू की बहू ने दूध का झाँसा देकर कबरी बिल्ली को मारने की योजना बनाई।

### स्वमत अभिव्यक्ति

**कृ.1. परिच्छेद में वर्णित अंधविश्वास स्पष्ट कीजिए।**

**उत्तर:** रामू की बहू, कबरी बिल्ली की हरकातों से तंग आकर उस पर पाटा पटककर उसे मार देती है। जिसकी आवाज सुनकर उसकी सास, नौकरानी और मिसरानी घटनास्थल पर आ जाते हैं। मिसरानी के कहे अनुसार बिल्ली और मनुष्य की हत्या बराबर है। जिस प्रकार मनुष्य के मरने पर घर में सूतक लग जाता है उसी प्रकार कबरी बिल्ली के मरने के बाद घर में सूतक लग गया। मिसरानी खाना बनाने से इंकार कर देती है, क्योंकि घर अपवित्र हो गया है। बहू के सिर पर लगे हत्या के पाप के निवारण के लिए पंडित जी को बुलाया जाता है। बिल्ली की हत्या सामाजिक अपराध है परंतु उसे धर्म से जोड़ना गलत है। हालांकि आखिरकार यह पता लगता है कि बिल्ली जीवित है और सबकुछ ठीक हो जाता है।

## परिच्छेद 3

**अपनी पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ क्रमांक 3 पर दी गई पंक्तियाँ (46 से 66 तक) पढ़कर निम्नलिखित कृतियाँ कीजिए।**
**[पंडित परमसुख को .....**
**..... पाठ हो जाए। ]**

### आकलन कृतियाँ

**कृ.1. आकृति पूर्ण कीजिए।**

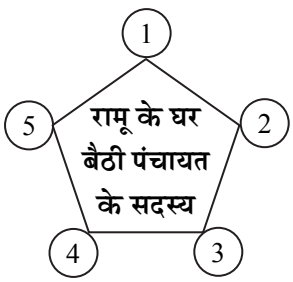


**उत्तर:** 1. सास 2. मिसरानी
3. किसनू की माँ 4. छन्नू की दादी
5. पंडित परमसुख

**कृ.2. आकृति पूर्ण कीजिए।**

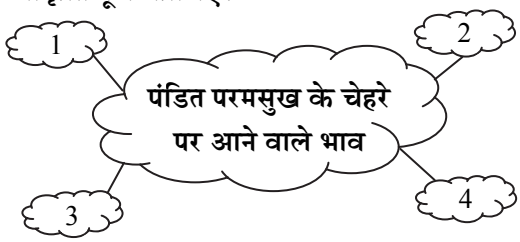


**उत्तर:** 1. चेहरे पर धुँधलापन आया।
2. माथे पर बल पड़ा।
3. नाक कुछ सिकुड़ी।
4. स्वर गंभीर हो गया।

**कृ.3. आकृति पूर्ण कीजिए।**

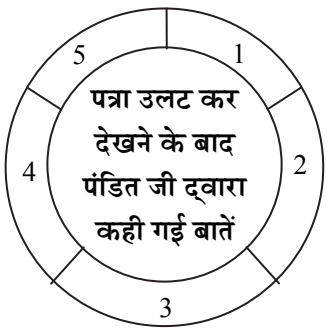


**उत्तर:** 1. "हरे कृष्ण! हरे, कृष्ण!"
2. "बड़ा बुरा हुआ!"
3. "प्रात: काल ब्रह्ममुहूर्त में बिल्ली की हत्या!"
4. "घोर कुंभीपाक नरक का विधान है!"
5. "रामू की माँ, यह तो बड़ा बुरा हुआ!"

**कृ.4. एक शब्द में उत्तर लिखिए।**

1. जब पंडित परमसुख को बिल्ली के मरने की खबर मिली तब वे यह कर रहे थे। ☐
2. पंडित परमसुख ने इस धातु की बिल्ली बनवा कर दान देने की कही। ☐

**उत्तर:** 1. पूजा 2. सोने

**कृ.5. सही विकल्प चुनकर रिक्त-स्थानों की पूर्ति कीजिए।**

1. पंडित परमसुख पहुँचे और _____ पूरा हुआ।
(कोरम, मंच, मेला)

2. बिल्ली दान देने के बाद _____ दिन का पाठ हो जाए।
(दस, इक्कीस, तीस)

**उत्तर:** 1. कोरम 2. इक्कीस

**कृ.6. निम्नलिखित विधान सत्य हैं या असत्य, लिखिए:**

1. लाला घासीराम की पत्नी ने बिल्ली मार डाली है। ☐
2. पंडित जी के बातें सुनकर रामू की माँ की आँखों में आँसू आ गए। ☐

**उत्तर:** 1. असत्य 2. सत्य

**कृ.7. निम्नलिखित वाक्य किसने किससे कहे:**

1. "पकवानों पर हाथ लगेगा।"
   ☐ ने ☐ से कहा।
2. "यही कोई सात बजे सुबह।"
   ☐ ने ☐ से कहा।

**उत्तर:** 1. पंडित परमसुख, पंडिताइन
2. मिसरानी, पंडित परमसुख

**कृ.8. सही विकल्प चुनकर वाक्य पूर्ण कीजिए।**

1. बाकी स्त्रियाँ बहू से _____ ।
   अ. दुख बाँट रहीं थीं
   ब. चुगली कर रहीं थीं
   क. सहानुभूति प्रकट कर रहीं थीं
2. जब तक बिल्ली न दे दी जाएगी, तब तक तो _____।
   अ. घर अपवित्र रहेगा
   ब. कोई मंगल कार्य न होगा
   क. पूजा-पाठ नहीं होगा

**उत्तर:** 1. बाकी स्त्रियाँ बहू से **सहानुभूति प्रकट कर रहीं थीं**।
2. जब तक बिल्ली न दे दी जाएगी, तब तक तो **घर अपवित्र रहेगा**।

## व्याकरण कृतियाँ

**कृ.1. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द परिच्छेद में खोजकर लिखिए:**

1. पुरोहित – ☐
2. बहू – ☐
3. समय – ☐
4. नियम – ☐

**उत्तर:** 1. पंडित 2. पतोहू
3. महूरत 4. विधान

**कृ.2. निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द परिच्छेद में खोजकर लिखिए:**

1. स्वर्ग × ☐ 2. पवित्र × ☐

**उत्तर:** 1. नरक 2. अपवित्र

**कृ.3. शुद्ध शब्द छाँटकर लिखिए।**

| छन्नु, कोरम, सहानूभूती, धुँधलापन, पुरोहित, प्रायस्चित, |
|---|

**उत्तर:** कोरम, धुँधलापन, पुरोहित

**कृ.4. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ बताकर उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए:**

1. चेहरे पर धुँधलापन आना
2. माथे पर बल पड़ना
3. नाक सिकुड़ना
4. काम चल जाना

**उत्तर:** 1. **चेहरे पर धुँधलापन आना** – उदासी या सूखापन महसूस करना।
**वाक्य:** सैनिक बेटे के वापस लौट जाने के बाद माँ के **चेहरे पर धुँधलापन आ गया**।

2. **माथे पर बल पड़ना** - चेहरे पर क्रोध दिखाना।
**वाक्य:** संजय को देखते ही सुरेश के **माथे पर बल पड़ गए**।

3. **नाक सिकुड़ना** – अरुचि या अप्रसन्नता प्रकट करना।
**वाक्य:** दहेज में मिली वस्तुओं को देखकर दूल्हे की माँ की **नाक सिकुड़ गई**।

4. **काम चल जाना** – जैसे-तैसे काम निकलना।
**वाक्य:** इधर-उधर मजदूरी करके सत्या का **काम चल जाता था**।

**कृ.5. निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके लिखिए:**

1. पंडित परमसुख का नाक सिकुड़ गया।
2. माँ के आँखों में आँसू आई।

**उत्तर:** 1. पंडित परमसुख **की** नाक सिकुड़ **गई**।
2. माँ **की** आँखों में आँसू **आए**।

**कृ.6. उचित विरामचिह्नों का प्रयोग करके निम्नलिखित वाक्य पुन: लिखिए:**

1. यही कोई सात बजे सुबह
2. अब आगे बतलाओ कि क्या किया जाए

**उत्तर:** 1. "यही कोई सात बजे सुबह!"
2. "अब आगे बतलाओ कि क्या किया जाए?"

**कृ.7. निम्नलिखित शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग अलग करके लिखिए:**

अपवित्र

**उत्तर:** अ + पवित्र = उपसर्ग – अ

**कृ.8. निम्नलिखित अव्यय शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए:**

1. अब 2. के बाद

**उत्तर:** 1. **अब** हम बाज़ार जाने वाले हैं।
2. रमेश **के बाद** सुरेश दिल्ली जाने वाला है।

**कृ.9.निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों का शब्दभेद पहचानकर लिखिए:**

1. पंडित परमसुख को जब यह खबर मिली, उस समय वे पूजा कर रहे थे।
2. रामू की माँ, यह तो बड़ा बुरा हुआ।

**उत्तर:** 1. परमसुख – संज्ञा, यह – सर्वनाम
2. बड़ा – विशेषण, हुआ – क्रिया

**कृ.10.निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त सहायक क्रिया को पहचानकर लिखिए:**

1. रामू की माँ की आँखों में आँसू आ गए।
2. बाकी स्त्रियाँ बहू से सहानुभूति प्रकट कर रहीं थीं।

**उत्तर:** 1. गए (जाना) 2. रहीं (रहना)

**कृ.11.निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त प्रेरणार्थक क्रिया रूप को छाँटकर उसके प्रकार सहित लिखिए:**

एक सोने की बिल्ली बनवाकर बहू से दान करवा दी जाए।

**उत्तर:** करवा (करवाना) – द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया रूप

**कृ.12.निम्नलिखित वाक्यों का वाक्य-भेद पहचानकर लिखिए:**

1. बिल्ली की हत्या करने से कौन नरक मिलता है।
2. "पंडित जी, इसीलिए तो आपको बुलाया था, अब आगे बतलाओ कि क्या किया जाए?"

**उत्तर:** 1. सरल वाक्य 2. मिश्र वाक्य

**पाठ पर आधारित प्रश्नोत्तरी**

**कृ.1. पंडित परमसुख द्वारा बताई प्रायश्चित की विधि लिखिए।**

**उत्तर:** रामू की बहू द्वारा बिल्ली की हत्या की खबर पाकर पंडित परमसुख रामू के घर पर आते हैं। पंडित परमसुख ने हत्या का समय पूछकर बताया कि ब्रह्ममुहूर्त में बिल्ली की हत्या होने से कुंभीपाक नरक की सजा मिलेगी। पंडित परमसुख की बात सुनकर रामू की माँ रुआँसी हो जाती है। पंडित परमसुख उन्हें आश्वस्त करते हुए कहते हैं कि चिंता मत करो। आप सोने की बिल्ली बनवाकर दान कर दीजिए, जिससे घर पवित्र हो जाएगा और उसके बाद इक्कीस दिनों तक पाठ करवा दीजिए। इसके साथ ही उन्होंने काफी दान-पुण्य और पूजा-पाठ का विधान बताया। इस प्रकार पंडित परमसुख ने दान की उपरोक्त विधि बताई।

**स्वमत अभिव्यक्ति**

**कृ.1. बिल्ली की हत्या की खबर पाकर पंडित परमसुख क्यों खुश हुए होंगे। अपने विचार स्पष्ट कीजिए।**

**उत्तर:** पंडित परमसुख पुरोहित का कार्य करते थे। सभी मांगलिक अवसरों पर उनकी उपस्थिति आवश्यक होती थी। पूजा-पाठ उनका धर्म और कर्म दोनों है। इसी पर उनकी जीविका चलती है। इसलिए जब उन्हें यह खबर मिली कि रामू की बहू ने बिल्ली की हत्या कर दी है तो उन्हें बड़ी प्रसन्नता हुई। बिल्ली की हत्या कोई साधारण बात नहीं है। वे बिल्ली की हत्या का प्रायश्चित कराने के बहाने रामू से मनचाही दक्षिणा प्राप्त कर सकते थे। कमाई का मनचाहा अवसर प्राप्त होता देख पंडित परमसुख खुश हुए होंगे।

## परिच्छेद 4

**अपनी पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ क्रमांक 3, 4 पर दी गई पंक्तियाँ (66 से 95 तक) पढ़कर निम्नलिखित कृतियाँ कीजिए।**

**[छन्नू की दादी .....**
**..... कौन आप लोगों को अखरेगा।]**

**आकलन कृतियाँ**

**कृ.1. आकृति पूर्ण कीजिए।**

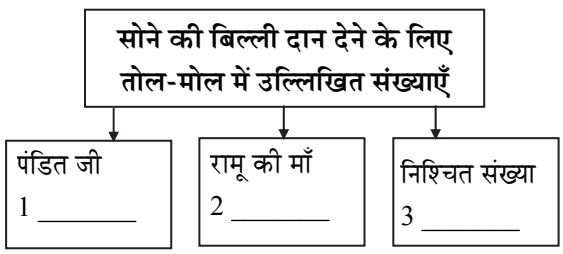


**उत्तर:** 1. इक्कीस तोले 2. एक तोला
3. ग्यारह तोले

**कृ.2. आकृति पूर्ण कीजिए।**

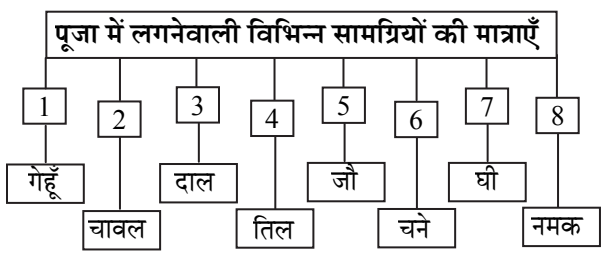

**उत्तर:** 1. दस मन 2. एक मन
3. एक मन 4. एक मन
5. पाँच मन 6. पाँच मन
7. चार पसेरी 8. एक मन

**कृ.3. एक शब्द में उत्तर लिखिए।**

1. पंडित जी ने इतने तोले सोने की बिल्ली बनाने के लिए कहा। ☐
2. प्रायश्चित के लिए इतने तोले की बिल्ली दान करना तय हुआ। ☐

**उत्तर:** 1. इक्कीस 2. ग्यारह

**कृ.4. सही विकल्प चुनकर रिक्त-स्थानों की पूर्ति कीजिए।**

1. _____ की सामग्री आप हमारे घर भिजवा देना।
(पूजा, खाने, मिठाई)
2. इसमें तो बहुस-सा _____ खर्च हो जाएगा।
(पैसा, रुपया, सिक्का)

**उत्तर:** 1. पूजा 2. रुपया

**कृ.5. निम्नलिखित विधान सत्य हैं या असत्य, लिखिए:**

1. पंडित परमसुख ने अपनी तोंद पर हाथ फेरा। ☐
2. रामू की माँ खुशी-खुशी पंडित जी की सारी बातें मान गई। ☐

**उत्तर:** 1. सत्य 2. असत्य

**कृ.6. निम्नलिखित वाक्य किसने किससे कहे:**

1. "अरे, रुपए का लोभ बहू से बढ़ गया?"
☐ ने ☐ से कहा।
2. "पूजा का सामान कितना लगेगा?"
☐ ने ☐ से कहा।
3. "दानपुण्य से ही पाप कटते हैं।"
☐ ने ☐ से कहा।
4. "इतना खर्च कौन आप लोगों को अखरेगा।"
☐ ने ☐ से कहा।

**उत्तर:** 1. पंडित परमसुख, रामू की माँ
2. रामू की माँ, पंडित परमसुख
3. छन्नू की दादी, सबसे
4. मिसरानी, रामू की माँ

**कृ.7. असंगत शब्द छाँटकर लिखिए।**

1. रामू की माँ, रामू की बहू, रामू, पंडित परमसुख
2. एक मन चावल, एक मन दाल, एक मन लड्डू, एक मन तिल।

**उत्तर:** 1. पंडित परमसुख 2. एक मन लड्डू

**कृ.8. सही विकल्प चुनकर वाक्य पूर्ण कीजिए।**

1. मोल-तोल शुरू हुआ और मामला ग्यारह तोले की बिल्ली _____।
अ. पर तय हो गया
ब. पर ठीक हो गया
क. पर आकर ठहर गया
2. पंडित परमसुख की बात से _____।
अ. लोग प्रभावित हुए
ब. राजा प्रभावित हुए
क. पंच प्रभावित हुए

**उत्तर:** 1. मोल-तोल शुरू हुआ और मामला ग्यारह तोले की बिल्ली **पर ठीक हो गया**।
2. पंडित परमसुख की बात से **पंच प्रभावित हुए**।

## व्याकरण कृतियाँ

**कृ.1. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द परिच्छेद में खोजकर लिखिए:**

1. आस्था – ☐
2. लालच – ☐
3. सामान – ☐
4. बचत – ☐

**उत्तर:** 1. श्रद्धा 2. लोभ
3. सामग्री 4. किफायत

**कृ.2. निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द परिच्छेद में खोजकर लिखिए:**

1. रोना × ☐ 2. खुश × ☐

**उत्तर:** 1. हँसना 2. रुआँसी

**कृ.3. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए:**

1. रुपया 2. सामग्री

**उत्तर:** 1. रुपए 2. सामग्रियाँ

**कृ.4. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए:**

1. दादी 2. पंडित

**उत्तर:** 1. दादा 2. पंडिताइन

**कृ.5. सार्थक शब्द बनाइए।**

1. | श्र | सु | द् | शु | धा |
2. | सा | ग्री | क | मा | ल | म |

**उत्तर:** 1. श्रद्धा 2. सामग्री

**कृ.6. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ बताकर उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए:**

1. आँखें फाड़कर देखना 2. हाथ का मैल होना
3. पाप कटना

**उत्तर:** 1. **आँखें फाड़कर देखना** – आश्चर्य से देखना।
**वाक्य:** एक लाख के चेक को शीला **आँखें फाड़कर देख रही थी**।

2. **हाथ का मैल होना** – मामूली होना।
**वाक्य:** पैसा **हाथ का मैल** होता है।

3. **पाप कटना** – पाप दूर होना।
**वाक्य:** जीवन के अंतिम दिनों में आत्माराम द्वारा किए गए दान-पुण्यों के काम से उसके **पाप कट गए**।

**कृ.7. निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके लिखिए:**

1. पंडित जी कितने तोले का बिल्ली बनवाया जाए।
2. पंडित परमसुख का बात से पंच प्रभावित हुई।

**उत्तर:** 1. पंडित जी कितने तोले **की** बिल्ली **बनवाई** जाए।
2. पंडित परमसुख **की** बात से पंच प्रभावित **हुए**।

**कृ.8. उचित विरामचिह्नों का प्रयोग करके निम्नलिखित वाक्य पुन: लिखिए:**

1. रामू की माँ एक तोले सोने की बिल्ली
2. बिल्ली की हत्या कोई ऐसा वैसा पाप तो है नहीं

**उत्तर:** 1. "रामू की माँ! एक तोले सोने की बिल्ली!"
2. "बिल्ली की हत्या कोई ऐसा-वैसा पाप तो है नहीं।"

**कृ.9. निम्नलिखित शब्दों में प्रत्यय जोड़कर नए शब्दों का निर्माण कीजिए:**

1. दान 2. पाप

**उत्तर:** 1. दान + ई = दानी 2. पाप + ई = पापी

**कृ.10. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित अव्यय शब्दों के भेद पहचानकर लिखिए:**

1. बिल्ली के तौलभर की बिल्ली तो क्या बनेगी, क्योंकि बिल्ली बीस-इक्कीस सेर से कम क्या होगी।
2. अरे बाप रे, इक्कीस तोला सोना!

**उत्तर:** 1. क्योंकि – समुच्चयबोधक अव्यय
2. अरे बाप रे – विस्मयादिबोधक अव्यय

**कृ.11. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के भेद पहचानकर लिखिए:**

1. अरे, कम-से-कम सामान में हम पूजा कर देंगे।
2. बिल्ली की हत्या कितना बड़ा पाप है।

**उत्तर:** 1. हम – सर्वनाम, कर – क्रिया
2. बिल्ली – संज्ञा, बड़ा – विशेषण

**कृ.12. कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल-परिवर्तन करके वाक्य पुन: लिखिए।**

1. जैसी जिसकी मरजादा प्रायश्चित में उसे वैसा खर्च भी करना पड़ता है। (अपूर्ण वर्तमानकाल)
2. पंडित परमसुख की बात से पंच प्रभावित हुए। (सामान्य वर्तमानकाल)

**उत्तर:** 1. जैसी जिसकी मरजादा प्रायश्चित में उसे वैसा खर्च भी करना पड़ रहा है।
2. पंडित परमसुख के बात से पंच प्रभावित होते हैं।

**कृ.13. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए:**

1. पंडित जी कितने तोले की बिल्ली बनवाई जाए।
2. खर्च को देखते वक्त पहले बहू के पाप को देख लो।

**उत्तर:** 1. जाए (जाना) 2. लो (लेना)

**कृ.14. निम्नलिखित क्रियाओं के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए:**

1. कहना 2. बनना
3. निकलना

**उत्तर:**

| | मूल क्रिया | प्रथम प्रेरणार्थक रूप | द्वितीय प्रेरणार्थक रूप |
|---|---|---|---|
| 1. | कहना | कहलाना | कहलवाना |
| 2. | बनना | बनाना | बनवाना |
| 3. | निकलना | निकालना | निकलवाना |

**कृ.15. निम्नलिखित वाक्यों का वाक्य-भेद पहचानकर लिखिए:**

1. पंडित परमसुख मुस्कराए।
2. बिल्ली अभी दान दे दी जाए और पाठ फिर हो जाए।

**उत्तर:** 1. सरल वाक्य 2. संयुक्त वाक्य

**पाठ पर आधारित प्रश्नोत्तरी**

**कृ.1. सोने की बिल्ली बनवाने के संदर्भ में पंडित परमसुख ने रामू की माँ को क्या तर्क दिए?**

**उत्तर:** रामू की माँ द्वारा दान के लिए कितने तोले की बिल्ली बनवाइ जाए ऐसा प्रश्न करने पर पंडित परमसुख मुस्कुरा दिए। उन्होंने कहा कि शास्त्रों में बिल्ली के वजन के बराबर सोने की बिल्ली बनवाने का विधान है, परंतु अब कलियुग आ गया है। धर्म-कर्म का नाश हो गया है और अब पहले जैसी श्रद्धा रही नहीं, इसलिए बिल्ली के वजन की बिल्ली बनवाने के बजाए इक्कीस तोले सोने की बिल्ली बनवाकर दान दे दो।

**कृ.2. पंडित परमसुख ने दान-पुण्य करने के लिए रामू की माँ को किस तरह राजी करवाया?**

**उत्तर:** सोने की बिल्ली और दान की सामग्री में लगनेवाले खर्च के बारे में सोचकर रामू की माँ रुआँसी हो गई। उन्हें ऐसा देखकर पंडित परमसुख ने कहा – बिल्ली की हत्या बड़ा पाप है। बड़े पाप का प्रायश्चित भी बड़ा होता है, प्रायश्चित हँसी-खेल नहीं होता है। जिस व्यक्ति की जितनी क्षमता होती है वह वैसा खर्च करता है और आप लोगों के लिए इतना खर्च कुछ भी नहीं है। इस प्रकार पंडित परमसुख ने रामू की माँ को दान-पुण्य करने के लिए राजी किया।

## स्वमत अभिव्यक्ति

**कृ.1. स्पष्ट कीजिए**

**पंडित परमसुख लालची प्रवृत्ति के थे।**

**उत्तर:** पंडित परमसुख पूजा-पाठ कर अपना व अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। वे यह भली-भाँति जानते थे कि उनके यजमान अंधविश्वासी हैं। वे लोगों को पाप का भय और पुण्य का लोभ दिखाकर लूटते थे। यजमानों की आर्थिक स्थिति के अनुसार वे प्रायश्चित की विधि बताते थे। उन्हें पता था कि लोगों को धर्म के नाम पर बेवकूफ बनाकर पैसा ऐंठा जा सकता है, क्योंकि लोग धर्म के खिलाफ जाने की हिम्मत नहीं कर सकते थे। जब भी उन्हें अंधविश्वास में फँसा कोई पीड़ित व्यक्ति मिलता वह अवसर उनके लिए त्योहार मनाने जैसा होता था। रामू की माँ के साथ वे ऐसा ही करते हैं। प्रायश्चित के नाम पर वे उनसे बहुत अधिक रकम ऐंठनेवाले थे। इस आधार पर यह स्पष्ट होता है कि पंडित परमसुख लालची प्रवृत्ति के थे।

## परिच्छेद 5

**अपनी पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ क्रमांक 4 पर दी गई पंक्तियाँ (96 से 116 तक) पढ़कर निम्नलिखित कृतियाँ कीजिए।**
**[रामू की माँ ने .....**
**..... उठकर भाग गई। ]**

## आकलन कृतियाँ

**कृ.1. आकृति पूर्ण कीजिए।**

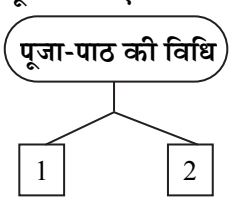


**उत्तर:** 1. इक्कीस दिन तक पाठ के इक्कीस रुपए।
2. इक्कीस दिन दोनों वक्त पाँच-पाँच ब्राह्मणों को भोजन कराना।

**कृ.2. एक शब्द में उत्तर लिखिए।**

1. सभी पंच इनके साथ हो गए थे। ☐
2. पंडित जी ने यह बटोरा। ☐

**उत्तर:** 1. पंडित जी 2. पोथी-पत्रा

**कृ.3. सही विकल्प चुनकर रिक्त-स्थानों की पूर्ति कीजिए।**

1. रामू की _____ ने अपने चारों ओर देखा।
(माँ, बहन, बेटी)
2. रामू की माँ ने _____ के पैर पकड़े।
(पिता, सास, पंडित जी)
3. _____ तोला सोना निकालो।
(इक्कीस, ग्यारह, दस)
4. माँ जी, _____ तो उठकर भाग गई।
(चुहिया, कुतिया, बिल्ली)

**उत्तर:** 1. माँ 2. पंडित जी
3. ग्यारह 4. बिल्ली

**कृ.4. निम्नलिखित विधानों को परिच्छेद में आए उनके क्रमानुसार लिखिए:**

1. पंडित जी का जमकर आसन जमाना।
2. पंडित परमसुख का बिगड़ना।
3. नौकरानी का हाँफते हुए कमरे में घुस आना।
4. रामू की माँ का पंडित जी के पैर पकड़ना।
5. पंडित जी का पोथी-पत्रा बटोरना।
6. मसरानी का पंडित परमसुख पर व्यंग्य कसना।

**उत्तर:** 1. पंडित परमसुख का बिगड़ना।
2. पंडित जी का पोथी-पत्रा बटोरना।
3. रामू की माँ का पंडित जी के पैर पकड़ना।
4. पंडित जी का जमकर आसन जमाना।
5. मसरानी का पंडित परमसुख पर व्यंग्य कसना।
6. नौकरानी का हाँफते हुए कमरे में घुस आना।

**कृ.5. निम्नलिखित विधान सत्य हैं या असत्य, लिखिए:**

1. रामू की माँ ने पंडित जी के पैर पकड़े। ☐
2. पंडित जी ने इक्कीस दिन के पाठ के दो सौ रुपए माँगे। ☐

**उत्तर:** 1. सत्य 2. असत्य

**कृ.6. निम्नलिखित वाक्य किसने किससे कहे:**

1. "अब तो जो नाच नचाओगे सो नाचना ही पड़ेगा।"
☐ ने ☐ से कहा।

2. "बेचारी को कितना दुख है ... बिगड़ो मत!"
[ ]ने [ ]से कहा।

3. "अरी, क्या हुआ री?"
[ ] ने [ ]से कहा।

**उत्तर:** 1. रामू की माँ, पंडित परमसुख
2. मिसरानी, छन्नू की दादी और किसनू की माँ, पंडित परमसुख
3. रामू की माँ, नौकरानी

**कृ.7. सही विकल्प चुनकर वाक्य पूर्ण कीजिए।**

1. "पंडित जी की _____ !"
अ. आँखे तो देखो
ब. तोंद तो देखो
क. नाक तो देखो

2. पंडित जी की बात खत्म नहीं हुई थी कि _____।
अ. रामू की बहू हाँफती हुई कमरे में घुस आई
ब. नौकरानी हाँफती हुई कमरे में घुस आई
क. रामू की माँ बाहर निकल गई

**उत्तर:** 1. "पंडित जी की **तोंद तो देखो**!"
2. पंडित जी की बात खत्म नहीं हुई थी कि **नौकरानी हाँफती हुई कमरे में घुस आई**।

## व्याकरण कृतियाँ

**कृ.1. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द परिच्छेद में खोजकर लिखिए:**

1. [किताब] – [ ]
2. [इंतजाम] – [ ]

**उत्तर:** 1. पोथी 2. प्रबंध

**कृ.2. शुद्ध शब्द छाँटकर लिखिए।**

| |
|---|
| कुंभीपाक, अफरता, प्रबंध, अखरता, परमसुख, कुंबीपाक, परमशुख |

**उत्तर:** 1. कुंभीपाक 2. अखरता
3. परमसुख 4. प्रबंध

**कृ.3. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ बताकर उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए:**

1. मुँह मोड़ना 2. पैर पकड़ना
3. चौंक पड़ना

**उत्तर:** 1. **मुँह मोड़ना** – उपेक्षा करना।
**वाक्य:** उमा के दरिद्र होते ही उसके रिश्तेदारों ने **मुँह मोड़ लिया**।

2. **पैर पकड़ना** - क्षमायाचना करना।
**वाक्य:** अपनी भूल का एहसास होते ही श्याम ने अपने पिता के **पैर पकड़ लिए**।

3. **चौंक पड़ना** – आश्चर्यचकित होना।
**वाक्य:** गाँव में चार साल के सूखे के बाद आकाश में अचानक छाए काले बादलों को देखकर सब **चौंक पड़े**।

**कृ.4. निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके लिखिए:**

1. पंडित परमसुख कुछ बिगड़कर बोले।
2. माँ जी, बिल्ली तो उठकर भाग गया।

**उत्तर:** 1. पंडित परमसुख कुछ बिगड़कर **बोले**।
2. माँ जी, बिल्ली तो उठकर **भाग गई**।

**कृ.5. उचित विरामचिह्नों का प्रयोग करके निम्नलिखित वाक्य पुन: लिखिए:**

1. रामू की माँ यह तो खुशी की बात है
2. अरी क्या हुआ री

**उत्तर:** 1. "रामू की माँ! यह तो खुशी की बात है।"
2. "अरी, क्या हुआ री?"

**कृ.6. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त अव्यय शब्द खोजकर उसका भेद लिखिए:**

1. रामू की माँ ने अपने चारों ओर देखा।
2. "अब तुम्हें यह अखरता है तो न करो, मैं चला...."

**उत्तर:** 1. ओर – क्रियाविशेषण अव्यय
2. अब – संबंधसूचक अव्यय

**कृ.7. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के भेद पहचानकर लिखिए:**

1. मैं अकेले दोनों समय भोजन कर लूँगा।
2. नौकरानी ने लड़खड़ाते स्वर में कहा।

**उत्तर:** 1. मैं – सर्वनाम, लूँगा – क्रिया
2. नौकरानी – सँज्ञा, लड़खड़ाते – विशेषण

**कृ.8. कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल-परिवर्तन करके वाक्य पुन: लिखिए।**

1. पंडित परमसुख कुछ बिगड़कर बोले। (सामान्य वर्तमानकाल)
2. यह तो पंडित जी ठीक कहते हैं। (अपूर्ण भूतकाल)

**उत्तर:** 1. पंडित परमसुख कुछ बिगड़कर बोलते हैं।
2. यह तो पंडित जी ठीक कह रहे थे।

**कृ.9. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए:**

1. अब तो जो नाच नचाओगे सो नाचना ही पड़ेगा।
2. मेरे अकेले भोजन करने से पाँच ब्राह्मणों का फल मिल जाएगा।

**उत्तर:** 1. पड़ेगा (पड़ना) 2. जाएगा (जाना)

**कृ.10. वाक्य में प्रयुक्त प्रेरणार्थक क्रियारूप को छाँटकर उसके प्रकार सहित लिखिए।**

पंडित जी ने अब जमकर आसन जमाया।

**उत्तर:** जमाया (जमाना) – प्रथम प्रेरणार्थक रूप

**कृ.11. निम्नलिखित वाक्यों का वाक्य-भेद पहचानकर लिखिए:**

1. पंडित जी की तोंद तो देखो।
2. पंडित जी की बात खत्म नहीं हुई थी कि नौकरानी हाँफती हुई कमरे में घुस आई।

**उत्तर:** 1. सरल वाक्य 2. संयुक्त वाक्य

## पाठ पर आधारित प्रश्नोत्तरी

**कृ.1. रामू की माँ पर पंडित परमसुख के चरण पकड़ने की नौबत क्यों आई?**

**उत्तर:** पंडित परमसुख ने जो प्रायश्चित की विधि बताई थी वह काफी कठिन और खर्चीली थी। पंडित परमसुख ने अपने तर्कों से सभी पंचों को अपनी तरफ कर लिया था। कोई उपाय नजर न आता देख रामू की माँ ने पंडित जी से व्यंग्यपूर्ण स्वर में बात की। रामू की माँ की व्यंग्य भरी बात सुनकर पंडित परमसुख बिगड़ गए और अपना पोथी-पत्रा समेटकर जाने लगे। पंडित जी को जाते देखकर रामू की माँ को उन्हें मनाने के लिए उनके पैर पकड़कर माफी माँगनी पड़ी। इस तरह पंडित परमसुख को मनाने के लिए रामू की माँ पर उनके चरण पकड़ने की नौबत आई।

## स्वमत अभिव्यक्ति

**कृ.1. पंडित परमसुख किस प्रकार प्रायश्चित धर्म की आड़ लेकर रामू की माँ को लूटते हैं। स्पष्ट कीजिए।**

**उत्तर:** अपनी बहू के सिर से बिल्ली की हत्या का पाप उतारने के लिए पंडित परमसुख द्वारा बताए गए प्रायश्चित के विधान को सुनकर रामू की माँ दुखी हो जाती है। वह उन पर व्यंग्य करती है, जिससे रुष्ट होकर पंडित परमसुख अपना पोथी-पात्रा उठाकर जाने लगते हैं। रामू की माँ पंडित जी के पैर पकड़कर माफी माँगती है तब वे जाकर रुकते हैं। पंडित परमसुख समझ जाते हैं कि दान-धर्म के नाम पर अधिक से अधिक सामग्री माँगने का ये सही मौका है। वे सोने की बिल्ली, 21 दिन तक पाठ की विधि और सामग्री के साथ-साथ 21 दिन तक दोनों वक्त 5-5 ब्राह्मणों का भोजन तथा इक्कीस दिन के पाठ के इक्कीस रुपयों की माँग करते हैं। इस प्रकार प्रायश्चित की आड़ लेकर पंडित परमसुख, रामू की माँ को लूटने का प्रयास करते हैं।